CHAPTER 38

MUSIC AND FINE ARTS

Doctoral Theses

01. SHARMA (Diwakar)
Analytical Study of Indian Film Music Contests and Shows.
Supervisor: Prof. Shailenra Goswami
Th 29361

Abstract

For the last 40 years, Indian film music contests and shows have been a large part of our lives, bringing music to every household, andcontributinginalarge part to the growth in the Indian music industry. From bringing many legends together on one stage to give every upcoming singer a good chance to show their abilities, we see exactly how music shows have made an everlasting impact. We have seen how Indian film music contests and shows transformed from a mere form of entertainment to an industry in themselves. At first, we had only those related directly to music being a part of it. AspublicvotingthroughSMS was brought in, these shows became part of every household. At first, only singing was what counted, but the shifting trends brought newer changes in every part of it, be that the newer outfits, the new look and the use of latest technology gave an entire new avatar to what had been just musical contests and shows. This is what gives any aspiring musician a good chance of making it bigin this industry, because this brings one very close to producers, directors, music directors and whoever might give a good break to those worthy. Live stage shows also became more of a thing for these singers since the revolution in 2004, with shows being held not only in India, but also in different parts ofthe world. The best part of Music Contests and Shows could be how every participating person learns something big, as a result of being with some ofthemostlearned people in the industry for months and months. Through my thesis I mention some of those too that I learned, things never openly spoken off by anyone before. Also, how those things are the making of any successful person/artist. Thus, these Indian film music contests and shows have given work not only to those who take part in the competition, but also to those working behind the scenes. All those part of the shoot, directors, music team, creative team, sets as well the light people, the sound engineers, those who pick out the outfits for everyone, hairdressers etc. Now we get to it, of all that makes these shows what they are, and how they are able to make a real big impact.

Contents

1. History of Indian Film Music Contests and Shows 2. Development of Indian Film Music Contests and Shows 3. Importance of Music Contests and Shows 4. Preparations of Musical Contests and Shows. Conclusion, Bibliography, Appendies.

02. सिंह (सुमित कुमार)
भारतीय शास्त्रीय संगीत में दृष्टिबाधित दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्रोतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (विशेष रूप से अवनद्ध वाद्यों के संदर्भ में)।
निर्देशक : डॉ. जगबन्धु प्रसाद एवं डॉ. अजय कुमार
Th 29362

सरांश

भारतीय शास्त्रीय संगीत में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्त्रोतो का विश्लेषणात्मक अध्ययन (विशेष रूप से अवनद्ध वाद्य के संदर्भ में) 1. संगीत शिक्षा 2. दिव्यांगता 3. दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए अवनद्ध वाद्य संबंधी सामग्री 4. ब्रेल टंकन प्रथम अध्याय :- संगीत शिक्षा द्वितीय अध्याय :- दिव्यांगता तृतीय अध्याय :- दृष्टिबाधित छात्र एवं अवनद्ध वाद्य चतुर्थ अध्याय :- स्पर्शनीय लिपि एवं ब्रेल टंकन प्रथम अध्याय संगीत शिक्षा' में संगीत का अर्थ,परिभाषा एवं उत्पत्ति को समझाते हुए विभिन्न विद्वानों के मत एवं विभिन्न युगों संगीत जैसे - वैदिक काल, रामायण काल, महाभारत काल आदि एवं संगीत शिक्षा में नारदीय शिक्षा, याज्ञवल्क्य शिक्षा और विभिन्न युगों में संगीत शिक्षा जैसे - गुप्त काल, मध्य काल आधुनिक काल एवं संस्थागत शिक्षा के विषय में विस्तृत विवेचन किया है | द्वितीय अध्याय - 'दिव्यांगता' में दिव्यांगता का अर्थ एवं परिभाषा, दिव्यांगता के 21 प्रकार, विभिन्न कारणों से होने वाली दिव्यांगता, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शिक्षा पद्धति में आने वाली समस्याएँ एवं निराकरण का विस्तृत विवेचन इस अध्याय में किया है | तृतीय अध्याय - दृष्टिबाधित छात्र एवं अवनद्ध वाद्य के अंतर्गत अवनद्ध वाद्य का अर्थ एवं परिभाषा, वाद्य का इतिहास, कुछ प्रमुख अवनद्ध वाद्य जैसे तबला, पखावज, मृदंग आदि वाद्यों का परिचय | तबले के घराने एवं उनका सम्पूर्ण परिचय, कुछ विशिष्ट बंदिशे | चतुर्थ अध्याय- स्पर्शीय लिपि एवं ब्रेल टंकन के अंतर्गत ब्रेललिपि एवं सामान्य रूप में विभिन्न तालों का परिचय एवं तललिपि करण, स्पर्शनीय लिपि एवं सामान्य रूप में अवनद्ध वाद्यों का चित्र संकलन किया गया है |

विषय सूची

1. संगीत शिक्षा 2. दिव्यांगता 3. दृष्टिबाधित छात्र एवं अवनद्ध वाद्य 4. स्पर्शनीय लिपि एवं ब्रेल। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

03. सोनी (उमेश)
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में पंडित अरुण भादुड़ी जी का योगदान
निर्देशक: डॉ. सुरेन्द्र नाथ सोरेन
Th 29405

सरांश

प्रस्तुत शोध-प्रबंध में पंडित अरुण भादुड़ी जी के जीवन, व्यक्तित्व, संगीत साधना, गायन शैली, शिक्षण परंपरा तथा हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान का अध्ययन किया गया है। प्रथम अध्याय में पंडित अरुण भादुड़ी जी के जीवन परिचय को प्रस्तुत किया गया है। इसमें उनके जन्म, बाल्यकाल, पारिवारिक वातावरण, संगीत की प्रारंभिक शिक्षा, संगीत संस्कार तथा व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया है। द्वितीय अध्याय में उन्हें एक कलाकार के रूप में समझने का प्रयास किया गया है। इसमें उनकी गायन शैली की विशेषताएँ, मंच प्रदर्शन एवं संगीत सम्मेलनों में उनकी भूमिका तथा उनके संगीत संबंधी चिंतन का अध्ययन किया गया है। उनकी गायकी में शास्त्रीय परंपरा, भाव, रागदारी और प्रस्तुति की विशिष्टता को समझने का प्रयास किया गया है। तृतीय अध्याय में पंडित अरुण भादुड़ी जी को गुरु

एवं रचनाकार के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें उनकी शिक्षण प्रणाली, शिष्य परंपरा, ITC-SRA से जुड़ी उनकी संगीत यात्रा तथा उनके द्वारा रचित स्वनिर्मित बंदिशों का अध्ययन किया गया है। चतुर्थ अध्याय में उनके प्रमुख शिष्यों व अन्य कलाकारों के लिए गए साक्षात्कार को शामिल किया गया है। शिष्यों के अनुभवों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व, शिक्षण शैली, गायकी और गुरु-शिष्य संबंधों को समझने का प्रयास किया गया है। अंत में उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची के माध्यम से पूरे शोध का निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है। यह शोध पंडित अरुण भादुड़ी जी के संगीत जीवन और उनके योगदान को समझने के साथ-साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा में उनके स्थान को स्पष्ट करने का प्रयास है।

विषय सूची

1. पंडित अरूण भादुड़ी जी का जीवन परिचय 2. पंडित अरूण भादुड़ी कला के रूप में 3. पंडित अरूण भादुड़ी गुरू व रचनाकार के रूप में 4. पंडित अरूण भादुड़ी के शिष्यों एवं अन्य कलाकारों के लिए गए साक्षात्कार। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची ।